Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H.D jain college, ara

Notes for mjc semester 2

Question :- नील घाटी सभ्यता के उदय और विकास पर प्रकाश डालें

नील घाटी सभ्यता (Nile Valley Civilization) मुख्य रूप से प्राचीन मिस्र की सभ्यता को संदर्भित करती है, जो नील नदी के किनारे विकसित हुई थी। यह विश्व की सबसे पुरानी और समृद्ध सभ्यताओं में से एक थी, जिसका उदय लगभग 3100 ईसा पूर्व हुआ और यह लगभग 30 ईस्वी तक विभिन्न चरणों में फली-फूली।

1. उदय के कारक:

नील घाटी सभ्यता के उदय के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे:

(क) नील नदी का महत्व

नील नदी ने इस क्षेत्र में कृषि, परिवहन, व्यापार और जीवन के अन्य पहलुओं को विकसित होने में सहायता दी। इसकी नियमित बाढ़ ने भूमि को उर्वर बनाया और किसानों को अच्छी फसलें उगाने में मदद की।

(ख) कृषि और खाद्य सुरक्षा

नील नदी के किनारे बसने वाले लोगों ने गेहूं, जौ और अन्य अनाजों की खेती शुरू की। इससे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई और जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा मिला।

(ग) जनसंख्या वृद्धि और नगरों का विकास

अच्छी कृषि व्यवस्था और संसाधनों की प्रचुरता के कारण छोटे-छोटे गांवों से नगरों का विकास हुआ, जिससे सभ्यता का आकार बढ़ा।

(घ) राजनीतिक संगठन और केंद्रीय सत्ता

लगभग 3100 ईसा पूर्व, ऊपरी और निचले मिस्र (Upper and Lower Egypt) को राजा मेनेस (Menes) ने एकीकृत किया और पहला राजवंश स्थापित किया। इससे प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत हुआ।

2. विकास के चरण

नील घाटी सभ्यता का विकास विभिन्न चरणों में हुआ:

(क) प्रारंभिक राजवंशीय काल (3100-2686 ईसा पूर्व) इस काल में पहले और दूसरे राजवंश का उदय हुआ।

मेनेस ने ऊपरी और निचले मिस्र को एकीकृत कर एक मजबूत राज्य की स्थापना की।

लिपि के रूप में चित्रलिपि (Hieroglyphics) का विकास हुआ।

(ख) प्राचीन साम्राज्य (2686-2181 ईसा पूर्व)

इस युग को "पिरामिड युग" (Age of Pyramids) भी कहा जाता है।

गीज़ा (Giza) के महान पिरामिडों का निर्माण हुआ।

केंद्रीय सत्ता मजबूत थी, और फिरऔनों (Pharaohs) ने देवताओं के समान शासन किया।

(ग) मध्य साम्राज्य (2055-1650 ईसा पूर्व)

इस काल में कला, साहित्य और व्यापार का विस्तार हुआ।

नील नदी के डेल्टा क्षेत्र में सिंचाई प्रणाली का उन्नयन हुआ।

विदेशी संपर्क बढ़े और व्यापारिक मार्ग विकसित हुए।

(घ) नवीन साम्राज्य (1550-1070 ईसा पूर्व)

यह मिस्र के साम्राज्यवादी विस्तार का युग था।

मिस्र के फिरऔन तुतमोस III (Thutmose III) और रैम्सेस II (Ramses II) ने बड़े युद्ध किए और मिस्र की सीमाओं को सीरिया, नुबिया तक विस्तारित किया।

धार्मिक सुधार हुए, जैसे अखेनातेन (Akhenaten) द्वारा एकेश्वरवाद की स्थापना।

(ङ) उत्तरकालीन मिस्र (1070 ईसा पूर्व - 30 ईस्वी)

यह काल विदेशी आक्रमणों का रहा, जैसे कि अस्सीरियाई, फारसी, यूनानी (अलेक्जेंडर महान द्वारा) और अंततः रोमन विजय।

क्लियोपेट्रा VII की मृत्यु के साथ मिस्र रोमन साम्राज्य का हिस्सा बन गया।

3. प्रमुख उपलब्धियाँ

(क) लिपि और साहित्य

चित्रलिपि (Hieroglyphics) और देमोटिक (Demotic) लिपि का विकास।

"मृतकों की पुस्तक" (Book of the Dead) जैसे धार्मिक ग्रंथ लिखे गए।

(ख) वास्तुकला

पिरामिड, मन्दिर और ओबेलिस्क जैसी संरचनाएँ।

गीज़ा का महान पिरामिड, करनक (Karnak) और लक्सर (Luxor) मंदिर प्रसिद्ध हैं।

(ग) विज्ञान और गणित

ज्यामिति और खगोलशास्त्र का विकास हुआ।

कैलेंडर प्रणाली विकसित हुई, जिसमें 365 दिनों का वर्ष शामिल था।

(घ) चिकित्सा

मिस्र के चिकित्सक शल्य चिकित्सा और औषधियों के विशेषज्ञ थे।

"एडविन स्मिथ पेपिरस" (Edwin Smith Papyrus) चिकित्सा विज्ञान का एक महत्वपूर्ण ग्रंथ था।

4. पतन के कारण

नील घाटी सभ्यता के पतन के पीछे कई कारण थे:

प्रशासनिक और आंतरिक संघर्ष

विदेशी आक्रमण (अस्सीरियन, फारसी, यूनानी, रोमन)

आर्थिक गिरावट और कृषि उत्पादन में कमी

जलवायु परिवर्तन और नील नदी की बाढ़ प्रणाली में परिवर्तन

निष्कर्ष:-

नील घाटी सभ्यता मानव इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण सभ्यताओं में से एक थी। इसकी उन्नत प्रशासनिक प्रणाली, कला, विज्ञान, और वास्तुकला ने विश्व सभ्यता को गहराई से प्रभावित किया। हालाँकि विदेशी आक्रमणों और आंतरिक संघर्षों के कारण इसका पतन हुआ, लेकिन इसकी सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विरासत आज भी जीवंत है।